an>

Title: Need to provide funds for cleaning of river Mithi and its development for inland waterways.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर) : महोदया, धन्यवाद। आपने मुझे 'जीरो आवर' में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।

अध्यक्ष महोदया, मुम्बई में वर्ष 2005 में बरसात के दिनों में बहुत बड़ी बाढ़ आयी थी, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान गई। उसके बाद राज्य सरकार ने चितले समिति का गठन किया। चितले समिति ने जो रिपोर्ट दी उसके माध्यम से सभी नदियों को चौड़ा करके दीवार बांधने का काम शुरू किया। मुम्बई महानगरपालिका ने इसमें बहुत बड़ा काम किया। हमारे सांसद किरीट सोमैया जी ने भी इसमें बहुत बढ़चढ़ कर योगदान दिया। मैं महाराष्ट्र सरकार और मुम्बई महानगरपालिका का धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने एक अच्छा काम किया। इन दिनों में आश्चर्य की बात यह है कि महानगरपालिका 350 करोड़ रुपये खर्च करके रिवर के बेस को कॉन्क्रीडाइस करने की शुरूआत की है। मुम्बई शहर में एक एनजीओ रिवर मार्च के नाम से है। इसके बारे में इन दिनों हजारों लोग आंदोलन कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदया जी, जो कैनल बनता है, उसके बेस को कॉन्क्रीट करते हैं तो बात समझ में आती है, लेकिन नदियों में नीचे बेस को कॉन्क्रीट करना ऐसा है, टैक्सपेयर्स का पैसा पानी में डालने जैसा है। पानी के जो नेचुरल सोर्सेज हैं, उस बेस को कॉन्क्रीट न किया जाए। इस बारे में मुम्बई में एक बहुत बड़ा आंदोलन खड़ा हुआ है। मैं केंद्र सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि महाराष्ट्र सरकार के माध्यम से मुम्बई महानगरपालिका को बेस को कॉन्क्रीट करने से रोका जाए, नहीं तो प्रेसीडेंट बनेगा तो फिर पूरे देश के लोग इस प्रकार का काम करना शुरू कर देंगे। टैक्सपेयर्स का सारा पैसा पानी में डाला जाएगा। मैं आपके माध्यम से इस विÂषय की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री ओम बिरला,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

*m05 श्री निशिकान्त दुबे को श्री गोपाल शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।